अनुक्रमणिका

BARR. BALA... ...RDEKAR LIBRARY
SHIVAJI ...SITY KOLHAPUR

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन

कृतज्ञता

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - गिरिराज किशोर : व्यक्ति एवं साहित्य

प्रस्तावना 1 ते 38

1.1 जीवन परिचय

1.1.1 जन्म

1.1.2 परिवार

1.1.2.1 माता

1.1.2.2 पिता

1.1.2.3 दादा

1.1.3 बचपन

1.1.4 शिक्षा

1.1.5 नौकरी तथा व्यवसाय

1.1.6 वैवाहिक जीवन

1.1.7 लेखन कार्य

1.2 व्यक्तित्व की विशेषताएँ

1.2.1 बहुमुखी व्यक्तित्व

1.2.2 व्यापक अनुभव विश्व

1.2.3 मिलनसार

1.2.4 प्रामाणिकता

1.2.5 संघर्षशील

1.2.6 गांधी विचारधारा से प्रभावित

1.3 साहित्य संपदा

1.3.1 उपन्यास

1.3.1.1 लोग

1.3.1.2 चिड़ियाघर

1.3.1.3 यात्राएँ

1.3.1.4 जुगलबंदी

1.3.1.5 दो

1.3.1.6 इंद्रसुने

1.3.1.7 दावेदार

1.3.1.8 तीसरी सत्ता

1.3.1.9 यथाप्रस्तावित

1.3.1.10 परिशिष्ट

1.3.1.11 असलाह

1.3.1.12 अंतर्ध्वंस

1.3.1.13 ढाई घर

1.3.1.14 यातनाघर

1.3.1.15 पहला गिरमिटिया

1.3.1.16 गिरमिटिया गाँधी

1.3.2 कहानी

1.3.2.1 नीम के फूल

1.3.2.2 पेपरवेट

1.3.2.3 रिश्ता और अन्य कहानियाँ

1.3.2.4 शहर दर शहर

1.3.2.5 हम प्यार कर ले

1.3.2.6 जगत्तारनी और अन्य कहानियाँ

1.3.2.7 गाना बड़े गुलाम अली खाँ का

1.3.2.8 यह देह किसकी है

1.3.2.9 आंद्रे की प्रेमिका तथा अन्य कहानियाँ

1.3.3 नाटक

1.3.3.1 नरमेध

1.3.3.2 प्रजा ही रहने दो

1.3.3.3 घास और घोड़ा

1.3.3.4 चेहरे चेहरे किसके चेहरे

1.3.3.5 केवल मेरा नाम लो

1.3.3.6 जुर्म आयद

1.3.4 एकांकी

1.3.4.1 बादशाह गुलाम बेगम

1.3.4.2 रंगार्पण

1.3.5 निबंध

1.3.5.1 संवाद सेतु

1.3.5.2 लिखने का तर्क

1.3.5.3 कथ-अकथ

1.3.5.4 सरोकार

1.3.5.5 एक जनभाषा की त्रासदी

1.3.5.6 जन-जन जनसत्ता

1.3.6 **संस्मरण एवं डायरी**

1.3.6.1 सप्तपर्णी

1.3.7 **बालसाहित्य**

1.3.7.1 बच्चों के निराला

1.3.7.2 सोने की गुड़िया

1.3.7.3 पके सोने के पेड़

1.3.8 **अन्य साहित्य**

1.4 **साहित्य की विशेषताएँ**

1.4.1 सृजन प्रक्रिया का केंद्र - अनुभव

1.4.2 अनवरत लेखन कार्य

1.4.3 संवेदनशील लेखक

1.4.4 मानवीय दृष्टि

1.4.5 प्रयोगशीलता

1.4.6 सामाजिक दायित्व बोध

1.4.7 बहुआयामी लेखन

1.4.8 नारी मुक्ति के समर्थक

1.5 **अनूदित रचनाएँ**

1.5.1 अनूदित उपन्यास

1.5.2 अनूदित कहानियाँ

1.6 **विदेश यात्राएँ एवं सहयोग**

1.6.1 विदेश यात्राएँ

1.6.2 विशेष सहयोग

1.7 पुरस्कार एवं सम्मान

निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - 'परिशिष्ट' उपन्यास का परिचयात्मक विवेचन 39 ते 60

प्रस्तावना

2.1 कथावस्तु का स्वरूप

2.2 'परिशिष्ट' उपन्यास की कथावस्तु

2.3 परिशिष्ट : उच्च शिक्षा संस्थानों में दलितोंपर होते अन्यायों का जीवंत दस्तावेज

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित दलित जीवन 61 ते 88

3.1 दलित से तात्पर्य

3.2 दलित शब्द की परिभाषा

3.2.1 व्यापक अर्थ

3.2.2 सीमित अर्थ

3.3 हिंदी उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन

3.4 दलितों की वर्तमान स्थिति

3.5 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित दलित जीवन

3.5.1 परंपरागत मान्यताएँ

3.5.2 धर्म के संबंधी दृष्टिकोण
3.5.3 हीनता की भावना
3.5.4 आर्थिक स्थिति
3.5.5 रहन - सहन
3.5.6 अंधविश्वास
3.5.7 व्यसनाधीनता
3.5.8 दलितों में भेदभाव
3.5.9 छुआछूत
3.5.10 विवाह
3.5.11 शिक्षा
3.5.12 राजनीतिक स्थिति
3.5.13 दलितों में परिवर्तन
निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित शिक्षा व्यवस्था 89 ते 120
प्रस्तावना
4.1 शिक्षा व्यवस्था
4.1.1 शिक्षा का अर्थ
4.1.2 व्यवस्था का अर्थ
4.2 प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था
4.3 मध्यकालीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था
4.3.1 प्राथमिक शिक्षा
4.3.2 उच्च शिक्षा

4.4 आधुनिक भारतीय शिक्षा व्यवस्था

4.5 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित शिक्षा व्यवस्था

4.5.1 प्रशासन

4.5.1.1 प्रधानमंत्री

4.5.1.2 शिक्षामंत्री

4.5.1.3 सांसद (एम.पी.)

4.5.1.4 अफसर

4.5.1.5 अन्य

4.5.2 व्यवस्थापन

4.5.2.1 डायरेक्टर

4.5.2.2 डिप्टी डायरेक्टर

4.5.2.3 डीन

4.5.2.4 हेड

4.5.2.5 वार्डन

4.5.3 अध्यापक

4.5.3.1 आदर्श अध्यापक

4.5.3.2 राजनीति में गढ़े अध्यापक

4.5.3.3 मातृभाषा के प्रति अनास्था

4.5.3.4 संवेदनाहीन अध्यापक

4.5.3.5 षड्यंत्री अध्यापक

4.5.3.6 जाति भेदाभेद से ग्रस्त अध्यापक

4.5.3.7 लालची अध्यापक

4.5.4 छात्र

4.5.4.1 प्रतिभाशाली एवं मेहनती छात्र

4.5.4.2 संघर्षशील छात्र

4.5.4.3 नारी स्वतंत्रता के समर्थक

4.5.4.4 सेवाभावी छात्र

4.5.4.5 आत्मसम्मानी छात्र

4.5.4.6 अहंवादी छात्र

4.5.4.7 पाश्चात्यों का अंधानुकरण

4.5.4.8 हिंदी (राष्ट्रभाषा) के प्रति हीन दृष्टिकोण

4.5.4.9 गरीब छात्र

4.5.5 परीक्षा व्यवस्था

4.5.6 छात्रावास

निष्कर्ष

पंचम अध्याय - 'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित समस्याएँ **121 ते 148**

प्रस्तावना

5.1 नारी शोषण की समस्या

5.2 अंधविश्वास की समस्या

5.3 व्यसनाधीनता की समस्या

5.4 बालविवाह की समस्या

5.5 छुआछूत की समस्या

5.6 आरक्षण की समस्या

5.7 जातीयवाद की समस्या

5.7.1 समाज में जातीयवाद

5.7.2 राजनीति में जातीयवाद

5.7.3 शिक्षा क्षेत्र में जातीयवाद

5.7.4 प्रशासन में जातीयवाद

5.8 आर्थिक अभाव की समस्या

5.9 शिक्षा के प्रति अनास्था की समस्या

5.10 शिक्षा क्षेत्र में मूल्यों का विघटन तथा भ्रष्टाचार की समस्या

5.11 शिक्षा क्षेत्र में राजनीति की समस्या

5.12 रैगिंग : एक विकृत समस्या

5.13 धन के लालच की समस्या

5.14 आत्महत्या की समस्या

निष्कर्ष

षष्ठ अध्याय - 'परिशिष्ट' उपन्यास : भाषा-शैली का मूल्यांकन 149 ते 172

6.1 भाषा का स्वरूप

6.2 शब्द प्रयोग के विविध रूप

6.2.1 तत्सम शब्द

6.2.2 तद्भव शब्द

6.2.3 देशज शब्द

6.2.4 विदेशी शब्द

6.2.4.1 अरबी शब्द

6.2.4.2 फारशी शब्द

6.2.4.3 अंग्रेजी शब्द

6.2.4.4 उर्दू शब्द

6.2.4.5 तुर्की शब्द

6.2.5 शब्द युग्मों का प्रयोग

6.2.5.1 संयुक्त शब्द

6.2.5.2 समान संयुक्त शब्द

6.2.5.3 सार्थक-निरर्थक शब्द

6.2.6 मुहावरें

6.2.7 कहावतें (लोकोक्तियाँ)

6.2.8 सूक्तियाँ

6.2.9 अपशब्द या गालियाँ

6.3 शैली

6.3.1 शैली का स्वरूप

6.3.1.1 पत्रात्मक शैली

6.3.1.2 मनोविश्लेषणात्मक शैली

6.3.1.3 व्यंग्यात्मक शैली

6.3.1.4 आत्मकथनात्मक शैली

6.3.1.5 वर्णनात्मक शैली

6.3.1.6 स्वप्न शैली

6.3.1.7 पूर्वदीप्ति शैली

6.3.1.8 संवाद शैली

6.3.1.9 टेलीफोन शैली

निष्कर्ष

उपसंहार 173 ते 182

संदर्भ ग्रंथसूची 183 ते 189